

मणपुर में झारखंड के मज़दूरों पर हमला

चर्चा में क्यों?

झारखंड के मज़दूर जो बेहतर अवसरों की तलाश में वर्ष 2024 की शुरुआत में संघर्ष प्रभावित मणपुर में चले गए थे, अब इंडाल में सशस्त्र अपराधियों द्वारा एक व्यक्ति की घातक गोलीबारी और दो अन्य के घायल होने के बाद बड़ी संख्या में वापस आ रहे हैं।

मुख्य बिंदु:

- यह राज्य के जातीय संघर्ष की शुरुआत के बाद से गैर-मणपुरी व्यक्तियों पर हमले की पहली घटना है।
- गैर-स्थानीय लोगों के खिलाफ हिंसा के ऐसे कृत्यों ने राज्य में सात [मैतेई चरमपंथी समूहों](#) पर प्रतिबंध को बार-बार बढ़ाने के केंद्र सरकार के नरिणय में योगदान दिया है।
 - मणपुर में लंबे समय से चले आ रहे जातीय संघर्ष में मैतेई बहुसंख्यक और कुकी-ज़ो अनुसूचित जनजात समुदाय शामिल हैं।
 - संघर्ष में अब तक 225 से अधिक लोगों की मौत दर्ज की गई है, जिसके परिणामस्वरूप हजारों लोग घायल हुए हैं और हजारों लोगों को आंतरिक रूप से वसिथापति होना पड़ा है।
- राज्य में बड़ी संख्या में गायब हुए हथियारों की वज़ह से नागरिकों का अपहरण और हमले जैसी घटनाओं में वृद्धि का कारण [अरामबाई तेंगगोल](#) जैसे कट्टरपंथी संगठनों एवं [यूनाइटेड नेशनल लबरेशन फ्रंट \(UNLF\)](#) जैसे घाटी स्थिति विरोधी समूहों के सदस्यों को माना जाता है।
- दोनों समुदायों के बीच तनाव बना हुआ है, जिसके कारण पहाड़ी और घाटी ज़िलों को अलग करने वाले [बफर ज़ोन \(मध्यवर्ती क्षेत्र\)](#) के पास कभी-कभी हमले होते रहते हैं।

मैतेई समुदाय

- मैतेई लोगों को मणपुरी लोगों के रूप में भी जाना जाता है
 - उनकी **प्राथमिक भाषा मैतेई** है, जिसे मणपुरी भी कहा जाता है और यह मणपुर की एकमात्र आधिकारिक भाषा है।
- ये मुख्य रूप से इंडाल घाटी में बसे हुए हैं, हालाँकि एक बड़ी आबादी अन्य भारतीय राज्यों, जैसे- असम, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय और मज़ोरम में नविस करती है।
 - पड़ोसी देशों **म्यांमार और बांग्लादेश** में भी मैतेई की उल्लेखनीय उपस्थिति है।
- मैतेई लोग गोत्रों में विभाजित हैं तथा एक ही गोत्र के सदस्य आपस में **विवाह नहीं करते हैं**।

CHEQUERED HISTORY



NSCN-IM
Integration of Naga-inhabited areas of Northeast is the core demand of NSCN-IM which has been holding peace parleys with the Centre. There was violent protest in Manipur in 2001 when the cease fire agreement signed between the Government of India and NSCN-IM was extended.

Naga-Kuki Fight

The Kukis are hill tribes spread across the Northeast besides Myanmar and the Chittagong Hill Tracts in Bangladesh. On September 13, 1993, militants of National Socialist Council of Nagaland (Isak Muivah) massacred around 115 Kuki civilians in the hills of Manipur. However, NSCN-IM refuted the allegation.

The rivalry between Nagas and Kukis started in the colonial era. In 1990 there were clashes over land. Kukis often claimed 350 of their villages were uprooted, over 1,000 killed and 10,000 were people displaced. Chins are called Kukis-IM on the Indian side.

Meitei Pangal and Meiteis

In 1993 there were clashes between Meitei Pangal (Muslim) and Meitei. A bus carrying Muslim passengers was set on fire. Over 100 people were killed.

Insurgency

Manipur had scores of militant outfits and violence was largely triggered by insurgents.

The NSCN-IM entered a ceasefire agreement with the Government of India in 1997.

Valley-based militant outfits (Meitei groups) such as the UNLF, PLA, KYKL etc. are yet to come to the negotiating table.

The Kuki outfits under two umbrella groups, the Kuki National Organisation (KNO) and United People's Front (UPF), also signed the tripartite Suspension of Operation (SoO) pacts with the Centre and Manipur on August 22, 2008.

Hill and Valley

The current conflict between Meiteis and Kukis is the extension of hills versus plains conflict. Meiteis account for 53% of the population, while tribal communities account for around 40% of the population. Naga tribes make up for (24%) and Kuki/Zomi tribes (16%).

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/attack-on-jharkhand-labourers-in-manipur>

